



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 148] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30, 1985/चैत्र 9, 1907
No. 148] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1985/CHAITRA 9, 1 90

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1985

सं. 106/85-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 333(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक
अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए
निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (4 संशोधन)
नियम, 1985 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में, नियम 96 डडडड में, “कलेक्टर अपने विवेक से” शब्दों के पश्चात्, “उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके”, शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे ।

[फा. सं. 261/19/15/84-सी. एक्स 8]

शोभा वेंकटनरसिम्हन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 1985

No. 106/85-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 333(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944, (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (4th Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944, in rule 96 MMMM after the words “the Collector may, at his discretion” the words, “for reasons to be recorded in writing”, shall be inserted.

[F. No. 261/19/15/84-CX.8]

SHOBHA VENKATANARASIMHAN, Under Secy.